

दिया जाने वाला विवरण 5. शब्दों के मूल रूप और मूल अर्थ में कालक्रम से हुए विकास का अध्ययन 6. स्वर भिन्नता।

व्युत्पन्न वि. (तत्.) 1. किसी वस्तु से उत्पन्न या बनाया गया 2. जिसकी व्युत्पत्ति की गई हो, पूरा किया हुआ, निकला या बना हुआ 3. विद्वान्, शास्त्रज्ञ भाषा. किसी मूल शब्द से बना शब्द 4. जिसकी व्युत्पत्ति ज्ञात हो।

व्युत्पादक वि. (तत्.) 1. उत्पन्न या उत्पादन करने वाला 2. शब्द की व्युत्पत्ति करने वाला।

व्युत्पादन वि. (तत्.) उत्पादन, व्युत्पत्ति।

व्युत्पाद्य वि. (तत्.) जिसके मूल रूप की व्याख्या की जा सके, वह शब्द जिसकी व्युत्पत्ति की जा सके।

व्युपदेश वि. (तत्.) 1. उपदेश 2. बहाना, मिस 3. छल, धोखेबाजी।

व्यूढ वि. (तत्.) 1. विवाहित 2. दृढ़, पक्का, मजबूत 3. फैला हुआ, विस्तीर्ण 4. चौड़ा 5. व्यवस्थित, क्रमबद्ध, स्थान परिवर्तित 6. व्यूह के रूप में निर्मित, व्यूहबद्ध।

व्यूह वि. (तत्.) युद्ध के लिए सैनिकों की किसी विशेष क्रम से की गई स्थिति, सैन्य संरचना, विन्यास उदा. प्रतिफल परिवर्तित व्यूह, हूह कौशल समूह- राम की शक्ति पूजा- निराला।

व्यूहन वि. (तत्.) व्यूह बनाने की क्रिया, भाव, व्यूह रचना, चक्र-व्यूह बनाना, यथास्थान रखने की क्रिया।

व्यूह-भंग वि. (तत्.) व्यूह तोड़ना, सैन्य व्यूह रचना को नष्ट अस्त-व्यस्त कर देना।

व्यूहित वि. (तत्.) व्यूह के रूप में बनाया गया, व्यूहबद्ध।

व्योम वि. (तत्.) 1. आकाश, आसमान, अंतरिक्ष 2. शरीरस्थ वायु 3. जल 4. अन्नक 5. एक प्रजापति 6. विष्णु 7. सूर्य मंदिर।

व्योमकेश/व्योमकेशी वि. (तत्.) शंकर, महादेव।

व्योम गंगा स्त्री. (तत्.) आकाश गंगा।

व्योमग वि. (तत्.) 1. व्योम अर्थात् आकाश में विचरण करने वाला, व्योमचारी, गगनचारी, पक्षी 2. दिवंगत, स्वर्गीय 3. देव 4. तारा, नक्षत्र।

व्योमचर/व्योमचारी वि. (तत्.) 1. जो आकाश में विचरण करता हो, आकाशचारी 2. देवता 3. पक्षी 4. नक्षत्र 5. देव 6. सूर्य 7. चंद्र।

व्योमचुंबी वि. (तत्.) गगनस्पर्शी, बहुत ऊँचा।

व्योमधूम वि. (तत्.) मेघ, बादल।

व्योमयान पुं. (तत्.) हवाई जहाज, दिव्य सवारी आकाशयान।

व्योमवीथिका स्त्री. (तत्.) आकाश मार्ग।

व्योमोदक पुं. (तत्.) वर्षा का जल, वृष्टिजल, ओस।

व्योसाई वि. (देश.) व्यवसाय, कारोबार।

व्यौसाना अ.क्रि. (देश.) व्यवसाय करना, कारोबार करना।

व्रज पुं. (तत्.) 1. झुंड, समूह 2. गोस्थान, गोष्ठ 3. गोप, ग्वालों की बस्ती 4. मथुरा-वृंदावन के आस-पास का क्षेत्र 5. आगे बढ़ना, प्रगति करना 6. अनुगमन करना 7. पधारना, आना।

व्रजक वि. (तत्.) परिव्राजक, संन्यासी, भ्रमण करने वाला।

व्रजकिशोर पुं. (तत्.) व्रजनाथ, व्रजमोहन, व्रज वल्लभ, व्रज राज, व्रज लाल आदि सभी श्रीकृष्ण के लिए प्रयुक्त।

व्रजन पुं. (तत्.) 1. घूमना, फिरना, यात्रा करना 2. निर्वासन, देश निकाला।

व्रज-प्रदेश पुं. (तत्.) 1. मथुरा-वृंदावन और उसके आस-पास का क्षेत्र, व्रज क्षेत्र, व्रज मंडल 2. व्रज भाषा वाला क्षेत्र।

व्रजभाषा स्त्री. (तत्.) व्रज प्रदेश की भाषा या बोली, व्रजी।